Sl.No. :

नामांक Roll No.

SS–01–Hindi (C) (D & D) (Supp.)

No. of Questions – 15

No. of Printed Pages – 7

यहाँ से काटिए

उच्च माध्यमिक (मूक – बधिर) पूरक परीक्षा, 2017

हिन्दी (अनिवार्य)

समय : 4¼ घण्टे

पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर – पुस्तिका में निर्धारित शब्द – सीमा में लिखें।

4) जिस प्रश्न के अ,ब,स , द भाग हैं, उन सभी भागों का हल एक साथ सतत् लिखें।

यहाँ से काटिए

खण्ड – अ

1) निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

बज रहे ठंडी सुबह के आठ, दिन भी चढ़ गया है
उतरती आती छतों से, सर्दियों की धूप
उजले ऊन की मृदु शाल पहिने
वह मुंडेरो पर ठहर कर, झांकती है झंझरियों से
रात के धोए हुए उन आंगनों में, और अलसाए हुए
कम्बल लिहाफों, बिस्तरों पर जो उठाए जा रहे हैं
रात को मीठी कथा के, पृष्ठ पलटे जा रहे हैं
धुले मुख सी धूप यह गृहिणी सरीखी
मंद पग घर आ गई है ।

अ) प्रस्तुत काव्यांश में सुबह की क्या विशेषता बताई गई है? [2]

ब) सुबह के कितने बज रहे हैं? [2]

स) गृहिणी के समान किसे बताया गया है? [2]

द) प्रस्तुत काव्यांश का उचित शीर्षक दीजिए । [2]

2) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

किसी स्वतन्त्र राष्ट्र के लिए जितना महत्व उसके राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय वेशभूषा, राष्ट्रीय पक्षी और राष्ट्रीय नीतियों को है उतना ही महत्व उसकी राष्ट्र–भाषा का है क्योंकि ये सब किसी राष्ट्र की स्वाधीनता और प्रभुसत्ता के प्रतीक हैं । राष्ट्रीय भाषा से हमारा अभिप्राय उस भाषा से होता है जो किसी वर्ग, जाति, प्रान्त या प्रदेश की भाषा न होकर सम्पूर्ण राष्ट्र की वाणी होती है ।

किस राष्ट्र का जीवन, साहित्य और संस्कृति राष्ट्र भाषा में ही अभिव्यक्ति पाते हैं । भारत स्वतन्त्र होने के पश्चात भी अंग्रेजी को राष्ट्रभाषा रख सकता था, पर ऐसा करना स्वतन्त्र भारत के लिए अपमान की बात होती । अब राष्ट्रभाषा के लिए हिन्दी का नाम लिया गया । हिन्दी इतनी सरल है कि इसे थोड़े ही समय में सीखा जा सकता है । हिन्दी की लिपि देवनागरी तो अत्यन्त सरल और वैज्ञानिक है । इसे जैसा बोला जाता है, वैसा ही पढ़ा जाता है ।

अ) किसी राष्ट्र की स्वाधीनता व प्रभुसत्ता के कौन–कौन से प्रतीक बताए गए हैं? [2]

ब) स्वतन्त्र भारत की राष्ट्र–भाषा बनाने के लिए किस भाषा का नाम लिया गया? [2]

स) हिन्दी की लिपि का नाम और उसकी विशेषता बताइए । [2]

द) दिए गए अपठित गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए । [2]

खण्ड – ब

3) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 150 शब्दों में निबन्ध लिखिए :– [7]

अ) जल संरक्षण–हमारा दायित्व

ब) राजस्थान के पर्व

स) इंटरनेट : सूचना क्रान्ति

द) स्वच्छता : भारत का सपना

य) राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता

4) अपने शहर की सफाई व्यवस्था को सुचारू रखने अथवा अनियंत्रित बिजली की कटौती पर एक रिपोर्ट (प्रतिवेदन) लिखिए । [4]

5) विद्यालय में खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए :– [3]

(उत्तर सीमा 80 से 100 शब्द)

अथवा

अपने प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए जिसमें कम्प्यूटर शिक्षा के लिए आग्रह किया गया हो ।

(उत्तर सीमा 80 से 100 शब्द)

6) निम्नांकित विषयों में से किसी एक विषय पर आलेख लिखिए :– [4]

(उत्तर सीमा 80 से 100 शब्द)

अ) बढ़ती महंगाई की मार

ब) बालश्रम और उपेक्षित जीवन

स) पॉलिथीन के दुष्प्रभाव

7) निम्नांकित विषयों में से किसी एक विषय पर फ़ीचर लिखिए :– [4]

अ) शहर में बढ़ता प्रदूषण

ब) काले धन की जटिल समस्या

स) शैक्षणिक भ्रमण

खण्ड – स

8) निम्नांकित पठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

(उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द)

आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी
हाथों पे झुलाती है उसे गोद–भरी
रह–रह के हवा में जो लोका देती है
गूँज उठती है खिल खिलाते बच्चे की हँसी
नहला के छलके–छलके निर्मल जल से
उलझे हुए केसुओं में कंघी करके ।

अ) आँगन में कौन खड़ी है और क्या कर रही है? [2]

ब) चाँद का टुकड़ा किसे कहा गया है और क्यों? [2]

स) माँ बच्चे को किस प्रकार खिला रही है? [2]

अथवा

प्रात नभ था बहुत नीला शंख जैसे
भोर का नभ
राख से लीपा हुआ चौका
(अभी गीला पड़ा है)
बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने

अ) 'काली सिल' और 'स्लेट' किसके प्रतीक हैं? [2]

ब) 'लाल केसर' तथा 'लाल खड़िया चाक' के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है? [2]

स) काली सिल को लाल केसर से धुला हुआ कहने का क्या अभिप्राय है? [2]

9) निम्नांकित पठित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–
(उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द)

बात सीधी थी पर एक बार
भाषा के चक्कर में
ज़रा टेढ़ी फँस गई
उसे पाने की कोशिश में
भाषा को उलटा पलटा
तोड़ा मरोड़ा
घुमाया फिराया

अ) पठित काव्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए । [2]

ब) पठित काव्यांश का कला एवं शिल्प सौन्दर्य लिखिए । [2]

अथवा

कविता एक खिलना है फूलों के बहाने
कविता खिलना भला फूल क्या जाने !
बाहर भीतर
इस घर, उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने
फूल क्या जाने?

अ) पठित काव्य का भाव–सौन्दर्य लिखिए । [2]

ब) पठित काव्यांश का कला अथवा शिल्प सौन्दर्य लिखिए । [2]

10) पठित कविताओं की विषय वस्तु से संबंधित दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

अ) दूरदर्शन पर कार्यक्रम को रोचक बनाने के लिए उद्घोषक क्या करता है? [2 ½]
(उत्तर सीमा 40 से 60 शब्द)

ब) 'बादल राग' कविता के आधार पर बताइए कि कृषक की अधीरता का क्या कारण था? [2 ½]
(उत्तर सीमा 40 से 60 शब्द)

स) लक्ष्मण के मूर्च्छित होने पर राम की मन: स्थिति को अपने शब्दों में लिखिए । [2 ½]
(उत्तर सीमा 40 से 60 शब्द)

11) निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–
(उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द)

'शेर के बच्चे' का असल नाम था चाँद सिंह। वह अपने गुरू पहलवान बादल सिंह के साथ, पंजाब से पहले–पहल श्यामनगर मेले में आया था। सुन्दर जवान, अंग–प्रत्यंग से सुन्दरता टपक पड़ती थी। तीन दिनों में ही पंजाबी और पठान पहलवानों के गिरोह के अपनी जोड़ी और उम्र के सभी पट्ठों को पछाड़कर उसने 'शेर के बच्चे' की टायटल प्राप्त कर ली थी । इसलिए वह दंगल के मैदान में लंगोट लगाकर एक अजीब किलकारी भरकर छोटी दुलकी लगाया करता था । देशी नौजवान पहलवान, उससे लड़ने की कल्पना से भी घबराते थे । अपनी टायटिल को सत्य प्रमाणित करने के लिए ही चाँद सिंह बीच–बीच में दहाड़ता फिरता था ।

अ) 'शेर के बच्चे' का असल नाम बताते हुए उसके गुरू का नाम बताइए । **[2]**

ब) चाँद सिंह पंजाब से कौन से मेले में आया? **[2]**

स) उसने 'शेर के बच्चे' की टायटिल कैसे प्राप्त की? **[2]**

द) चाँद सिंह अपनी टायटिल को सत्य कैसे प्रमाणित करता था? **[2]**

अथवा

चार्ली का चमत्कार यही है कि उनकी फिल्मों को पागल खाने के मरीजों, विकल मस्तिष्क लोगों से लेकर आइन्स्टाइन जैसे महान प्रतिभा वाले व्यक्ति तक कहीं एक स्तर पर और कही सूक्ष्मतम रसास्वादन के साथ देख सकते हैं । चैप्लिन ने न सिर्फ फिल्म कला को लोकतांत्रिक बनाया बल्कि दर्शकों की वर्ग तथा वर्ण–व्यवस्था को तोड़ा । यह अकारण नहीं है कि जो भी व्यक्ति समूह या गैर बराबरी नहीं मिटाना चाहता वह अन्य संस्थाओं के अलावा चैप्लिन की फिल्मों पर भी हमला करता है । चैप्लिन भीड़ का वह बच्चा है जो इशारे से बतला देता है कि राजा भी उतना ही नंगा है जितना मैं हूँ और भीड़ हंस देती है? कोई भी शासक या तंत्र जनता का अपने ऊपर हंसना पसंद नहीं करता ।

अ) चैप्लिन के चमत्कार को समझाइए । **[2]**

ब) चैप्लिन ने दर्शकों की कौन सी व्यवस्था को तोड़ा? **[2]**

स) कोई भी शासक या तन्त्र जनता का अपने ऊपर हंसना क्यों पसंद नहीं करते हैं? **[2]**

द) चैप्लिन की फिल्मों पर हमला किस प्रकार के लोग करते हैं? **[2]**

12) पाठों की विषय वस्तु पर आधारित निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :–

अ) भक्तिन का वास्तविक नाम क्या था? वह उसे क्यों छिपाना चाहती थी? **[2]**
(उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द)

ब) 'बाजार एक जादू है' कथन को स्पष्ट कीजिए । **[2]**
(उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द)

स) 'काले मेघा पानी दे' पाठ के आधार पर त्याग और दान के महत्व को समझाइए । **[3]**
(उत्तर सीमा 40 से 60 शब्द)

अथवा

नमक की पुड़िया ले जाने के संबंध में सफ़िया के मन में क्या द्वन्द्व था?
(उत्तर सीमा 40 से 60 शब्द)

खण्ड – द

13) पाठों की विषय वस्तु पर आधारित किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

(उत्तर सीमा 40 से 60 शब्द)

अ) मिस्टर वान दान कौन थे? उन्होंने अज्ञातवास में जाने के लिए फ्रेंक परिवार की किस प्रकार सहायता की? **[3]**

ब) 'जिम्मेदारी सर पर पड़ेगी तब सब सामने आ जाएगा' यशोधर बाबू ने ऐसा क्यों कहा? **[3]**

स) 'जूझ' कहानी के नायक आनंद यादव ने अपने जीवन को किस प्रकार उन्नत बनाया? **[3]**

14) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

(उत्तर सीमा 20 से 30 शब्द)

अ) सिल्वर वैडिंग कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है? **[1½]**

ब) सिंधु घाटी के लोगो में कला या सुरूचि का महत्व अधिक था । कथन को स्पष्ट कीजिए । **[1½]**

स) यशोधर बाबू का अपनी पत्नी और बच्चों के साथ मतभेद क्यों रहता था? **[1½]**

15) विषय वस्तु पर आधारित दिए गए प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए :–

(उत्तर सीमा 40 से 60 शब्द)

अ) ऐन फ्रेंक ने डायरी किसको सम्बोधित करके और क्यों लिखी? **[3]**

ब) दत्ता जी राव ने जूझ उपन्यास के नायक आनंद यादव की किस प्रकार सहायता की? **[3]**

▽▽▽▽

DO NOT WRITE ANYTHING HERE